नई दुनिया के हीरो एक्टर्स और साथी तैयार हो, तब समाप्ति की सेरीमनी हो

आज बापदादा के पास पहुँची, तो बापदादा ने मुस्कराते मिलन मनाया और समाचार पूछा, मैंने कहा बाबा दादी जी ने और मधुबन वालों ने मीठा-मीठा उल्हना दिया है कि बाबा ने हमसे मिलने के लिए कहा था फिर कब मिलेंगे ? बापदादा मुस्कराये और बोले - मधुबन वालों का उल्हना तो ठीक है परन्तु बापदादा का भी उल्हना है कि मधुबन वालों को सदा बापदादा कहते हैं कि चारों ओर श्रेष्ठ पावरफुल वायुमण्डल फैलाने वाले लाईट हाऊस हो। यह बापदादा की विशेष दी हुई सेवा सभी को याद है ? बापदादा तो मधुबन में चक्कर लगाते देखते रहते हैं। ''मधुबन निवासी

तो सदा बापदादा की नज़रों में ही रहते हैं'' क्योंकि मधुबन वालों को बाप द्वारा बड़ी जिम्मेवारी का ताज मिला हुआ है। बापदादा तो वायदा निभायेगा। साथ में बच्चे भी अपनी ज़िम्मेवारी का रूप बापदादा को दिखायेंगे। ऐसे कहते बापदादा सबको मीठी शक्तिशाली दृष्टि दे रहे थे।

उसके बाद बाबा बोले और क्या समाचार है ? मैंने बोला बाबा लंदन निवासी, अमेरिका, जर्मनी सभी बच्चों ने आपको बहुत-बहुत दिल से याद और थैंक्स दी कि आपने बहुत अच्छे स्थान और सेवा का चांस दिया है।

दादी जानकी ने भी यादप्यार के साथ समाचार सुनाया कि आजकल चारों ओर ''काल आफ टाइम'' रिट्रीट के प्रोग्रामस बहुत अच्छे चल रहे हैं। बहुत अच्छी-अच्छी आत्मायें सम्पर्क में आ रही हैं। अभी आगे आस्ट्रेलिया और नैरोबी में भी ये प्रोग्राम होना है। दादी जानकी के साथ में गायत्री और मोहिनी बहन का प्रोग्राम सोचा है क्योंकि इन्हों को इस प्रोजेक्ट का बहुत अच्छा अनुभव हो गया है। बाबा बोले - एक दो के अनुभव से औरों का भी उमंग-उत्साह बढ़ता है और जहाँ जाते आपसी समीपता भी बढ़ती है, बापदादा की तो आस्ट्रेलिया और अफ्रीका में बहुत बड़ी उम्मीदें हैं तो अवश्य उम्मीदों का जगा हुआ दीपक बापदादा के आगे लायेंगे।

उसके बाद मैंने इण्डिया में भिन्न-भिन्न वर्गो की तरफ से रिट्रीट, कान्फ्रेन्स और माईक्स का प्रोग्राम सुनाया कि बहुत अच्छी रिज़ल्ट निकल रही है। सभी बहुत अच्छी मेहनत खुशी-खुशी से कर रहे हैं। बाबा बोले बच्ची, ऐसे रिट्रीट के प्रोग्रामस फारेन में या इन्डिया में करने अच्छे हैं क्योंकि इससे नजदीक सम्पर्क में आते हैं और स्नेह और संगठन का प्रभाव भी पड़ता है। ये सहयोगी बनाने का साधन बहुत अच्छा सहज है। परन्तु बापदादा ने पहले भी इशारा दिया है कि प्रोग्रामस और रिज़ल्ट बहुत अच्छी है लेकिन उन विशेष आत्माओं से बाद में सम्पर्क रखने और सहयोगी बनाने के प्रोग्राम में ज़्यादा अटेन्शन रखना ज़रूरी है। बापदादा की राय है कि अब तक कम से कम पाँच वर्ष में जहाँ विशेष आत्माओं के प्रोग्रामस हुए हैं और कईयों ने अपने बहुत अच्छे अनुभव सुनाये हैं व लिखे हैं, उन्हों की लिस्ट निकालो और उन्हों को आगे सहयोगी बनाने का प्रोग्राम बनाओ। बापदादा आज फारेन और इण्डिया दोनों तरफ देख रहे थे

तो पाँच साल में या पहले भी बहुत-बहुत अच्छे वी.आई.पीज़, आई.पी. आत्मायें आये हैं, उन्हों को सन्देश तो मिला है परन्तु सहयोगी बनें व माईक बन सेवा को फैलाने के निमित्त बनें वो रिजल्ट निकालो और इसका प्रोजेक्ट बनाओ।

उसके बाद बाबा ने दादियों को याद किया और बहुत-बहुत दिल से, वरदानी नज़र से दृष्टि दी और कहा कि ये तो चाहते हैं कि बस अभी-अभी बाबा की प्रत्यक्षता हो जाए लेकिन बच्चे पहले ब्राह्मणों में सम्पन्नता की प्रत्यक्षता हो तब तो बाप की प्रत्यक्षता हो। नई दुनिया के हीरो एक्टर्स और साथी तैयार हो, तब तो बाप प्रत्यक्ष हो और समाप्ति की सेरीमनी हो तो अभी सभी को जल्दी-जल्दी तैयार करो। अभी भी सर्व को उमंग-उत्साह में लाने की सेवा बहुत अच्छी कर रहे हैं। बापदादा खुश हैं। ऐसे कहते बाबा ने सर्व ब्राह्मणों को यादप्यार दिया और कहा अपने में सम्पन्नता की प्रत्यक्षता लाओ।

ओम् शान्ति।